₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 65; 06/07/2017

संपादकीय टीमे कनारा *तुबारि*

मासिक पत्रिके नोयी अवतार पुठ सोबी पढ़णेबाड़ी जे बधे। *तुबारि* अब सिर्फ दुई पन्ने पत्रिका न रिहा, बल्कि दुई पन्ने होरे जुड़ गे।

तुबारि संपादकीय टीम तुसी त तेन्हि सोबी के अभारी असे जेन अपु सुझाव, लेख, होर अपु विचार बेलि इस मुकाम तकर पुजाई छो असे। पढ़णे बाड़ी के कॉमेंटस बगैर *तुबारि* छे साल तकर चल न बटतीथ।

किस कि *तुबारि* अब चोउर पन्ने भोई गो असी त अपु लेख, सोच त भाषाई तरक्की करण जे सुहलियत भोई गो असी।

संपादकीय टीमे दुख इस बोक पुठ असी कि पांगेई होरे जगाई केआं कोई लेख मेएण नेई लगो। हाला कि तेठियाणी बोली धिक अलग असी, तोउं बि जोउं तकर तस लिख कइ होरी के सामणी न आण्हियेल, से बोली तीं औखि त नासमझ रेहन्ती।

टीम तुं छनेयारे कती कि तुस बि कुछ लिख कइ हें धे दिए, जेसे बेलि भाषाई तरक्की भुन्ति।

धन्यवाद

बिषय सूची

1. सिंह राजे त बछुर - 1
2. मेहनत करण शिचे - 2
3. मनता किस नऊं - 2
4. हें भारते गभुर - 2
5. ब्याह बुछ अणबण - 3
6. में ट्यारा भाई -4
7. चुटकुले -4

सिंह राजे त बछुरु राजे कथा

यक पुराणी टेमी बोक भो कि यक जंगल अन्तर यक गोउड़ा थिआ त से सुणार थिआ। तेस जंगल अन्तर यक सिंहे राणि बी थी। से बी सुणार थी। तेन्हि दुहोइ कुछ टेमे बाद यकेक गभुर जम्मे। जे गोउ माता थी तेसे दुध सुआ भुन्तुथ त से तेस बछुर केईया ना मुकेईतुथ। होर जे सिंहे राणी थी तेसे दुधे थोड़ी घाटीयार थी। से दुहो जंगल अन्तर यक कुड बिशतेथ। दिसाई सिंहे राणी शिकार करणे घेन्तीथ त तसे गभुर तेस फाट पहाण खेलताथ। गोउ माता बि अपु बाने किंया तेस जंगल चरण जे एन्तीथ।

त तेस फाट पुटे यक रोज से अराम करण लगी त तसे चिछि बहण लगी त फाटे बइ उन्हया जे दुधे धार लगण लगी, त सुसुर तेस दुआर अगर जे लगी। त से सिंहे गभुर तेस चाटते चाटते सुआद आ। गोउ माता रोज के रोज तेस फाट बठ बिश्तीथ त अराम कतीथ। हर रोज तेस सिंहे गभुर दुध मेतुथ। कुछ रोजे बाद से मोटा भुआ त से तेस दुधे धार चाटते चाटते फाट पुठ चढ़ा। तेठि से दुहे बुढ़ि कुआ थिए। त मोटु सिंह राजे पुछु कि "ए दुध केसे भो?" गोउ माताई बोलु, "में भो।" तेनि

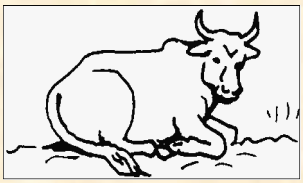

तेस केआं पुछु "तेईं ए दुध अपु कुआ केईया किस नेई पिवाओ?" त तेन बोलु, "जती एस जरुरत भुन्ति, ततु ए पीन्ता। पर होरु सोब में चिछि अन्तर रेहन्तु। अउं इस फाट पुठ एन्ती त में दुध अपपु नुस्तु त तोउ केईं पुजतु। त तु रोज के पीन्ता ना?" त सिंह राजे बोलु "आं"। त गोउ माता तेस जे बोलु, "रोज के भ्यागे इस इस टेम आई ना, त में दुध पीए।"

त हेउंस केईआ, तिहांणि की त तेन त बछुर राजे अपफु बछ बचबोओठ की। हेउंस केईआ बाद दुहो साते खेलतेथ, बिश्तेथ। कुछ टेमे बाद से दुहो अपु अपु बन्ने कियां दूर नशे। सिंहे राणी तेसे ई मारी छई। जिखेईं से दुहे बापस अपु अपु बन्ने जे ए त बुछ बत बछुर राजे ई मारो थी। होर, सिंहे राणि तेस खाण लगो थी। बछुर राजे अपु बचवेई जे बोलु "तु डर नोउ। अउं कुछ कता। ना त तोउ बी में ई खाई छती।" से दुहे बचवेई यक करिगर कें गे त बोलुण लगे, "यक घंटा त यक लोहिए शंकिड़ि बणा त में बचवेई कियाड़ि बहन छड़। ना त अस जंगल अन्तर होरे जे खाई छंते।" त करिगीरे तिहांणि की त से दुहे तेठिआ नठे। सिंह राजे अपु बचवेई धार कलाश ला त जेठि निलु घास त ठनु पुओणी थिउ, से तेठि बिशा। सिंह राजे तेस जे बोलु "तोउ खाण जे कोउं ऐयाल त तु उठकींण दे त मोउं तें घंटाई अवाज शुणती त अउं तें भेएड़ एन्ता बा!" तोउं से नठा त यक दुई रोज तेस घंटाई कोई अवाज न शुणी त टेके रोजे सिंह राजा तेठि गा त हेरु कि बछुर राजा मज्जे जुए चरतथ त उगातथ। तेस केईया 6, 7 रोजे बाद से जिखेईं मस्तीण लगा त से थोड़ु-थोड़ु उठकुण लगा त सिंह राजा फत दी कइ तेठि पुजताथ।

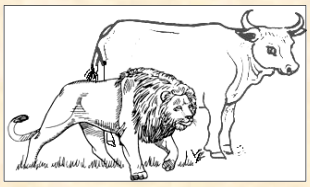

त तिहांणि 2,3 मेहने बाद, यक रोज तेठि कुछ मेहणु ए त से सोबी जानवरी के छोड़ कठेरण लगे। से कोई चुमार थिए। यक रोज तेन्हि बछुर राजा काआ त तेस मारणे सोचुण लगे। पर से कोठिया टाण एन्ताथ। तेन्हि से सोबी जेईं बटेरण ला त सिंह राजे पता लगा। से एई गा त से सोब तेस हेर डर गे त तेन्हि सोबी केईया नशटोनाई भुई। से दुहो खुश भुए त नश गे।

शच: हें सच्चा बचवेई से भो, जे हें ओखि-सोखि टेम कम एन्ता।

लेखक: विनोद चौहान, 9459828290

मेहनत करण शिचे

मेहनते बेलि हमेशा सफलता मेती,
मेहनते बेलि धरती उपजाऊ भुन्ती,
मेहनते बेलि किसमत चमकती,
मेहनती मेहणु खरी इज्जत कते,
तोउं त मेहनत करण शिचे।

मेहनते महिमा सोबी केआं न्यारी,
मेहनते दुनिया केस न ट्यारी?
मेहनते बेलिए प्रभुत्वा बिहार गई,
मेहनते कमाई भुन्ती सच्चे त पक्के
तोउं त मेहनत करण शिचे।

मेहनते जिन्दगी सच्ची जिन्दगी,
मेहनते बगैर सोबी खेई गरीबी,
मेहनत मेहणु मने भरती खुशी,
मेहनते सुख भुन्ते पक्को सेउए ईं मिठे,
तोउं त मेहनत करण शिचे।

लेखक: अमित, कक्षा-पांचवी, कवास स्कूल

मनते किस नऊं

मेहणु बोते प्यार तें भगवान,
बोता रेहंता, पर मनता किस नऊं।
भुल कइ इस धरती उडरण लगो असा इन्सान,
झड़णे बि असा डर, पर मनता किस नऊं।

जिसमें अरामे लिए सुख जुटाई छओ असे,
घर शेहर आशियाने सजाई छड़े।
पर ओइ ठेहरे आत्माईं लिए।
किछ कमऊं नऊं, किछ सजाऊं नऊं,
जाणते सोब मगर, मनते किस नऊं..

हेरे, हर कना बनावट असी,
मुस्कराहट खोखली भोई गो असी।
मतलबी बण गा इन्सान।
धर्मे, ईमाने बथ छड़ कइ,
गलत चुण छड़ी बथ, मनते किस नऊं।..

इन्सानियत देण लगो असी अवाज ,
ऐईए! जीणे नउआ सलिखा दियुं,
सुआ उंघ गए, सुआ गुम कइ गए।
'इन्सानियत' बोलुण लगो असी
'परेम' भुओ जिन्दगी,
फि बि नदान मेहणुओ मनते किस नऊं।..
हे जिंदेगी, अउं तें इश्क अन्तर मर ना घियुं।

लेखिका: बबिता, चौकी

तुबारि टीमे कनारा सोबी पांगेई मेहणू थाणेई त देखेणे बधेए।

खास समाचार

- इस मेहने 6 तारिख हें मुख्यमंत्री श्री राजा वीरभद्र सिंह पांगेईं अओ थिआ। तेन ठाणे शिलान्यास किया। तस केआं पता बोडा हस्ताड़े उदघाटन किया।

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे बुहन दुतो पता पुठ लंघाए।

हें भारते गभुरू

फाटी केईंया बि खड़िया हौसले हें
दिरोई केईंया बि डुघा संकल्प हें
ओखियार केईंया बि न डरते
मकसद पूरा कइ दम नेन्ते
मन लाई कइ कते पढ़ाई अस
सोब धर्म के कते इज्जत अस
सोबी केआं ट्यारा देश हें
मास्टरी के कहणा मानते
अपफ बछ उईमी कइ बिश्ते
कताबी अन्तर नियोको असा ज्ञान
भारत देशे महान वीर बणते
राणा प्रतापे ईं धीर बणते
बापु ईं अस मेहनत करण जे घेन्ते
भारते झण्डा फहरंते अस।

लेखिका: अरूषी, कक्षा: चौथी, स्कूल: कवास

रोहतांग सुरंग

विश्व अन्तर सोभी कियां सुआ खड़िया असी रोहतांगे सुरंग। रोहतांगे सुरंग दुनीये अन्तर सोभी कीया अलग असी। रोहतांग सुरंग लगभग चौर हजार मीटर रोप बठ बणण लगो असी। ए सुरंग 8.8 किमी लमी भुं असी। उचेई हसाब जोई दुनीये अन्तर आति लमी सुरंग अभेईं तकर कोठी नेइ। दुनीये अन्तर तजाकिस्थाने अजोव रोड़ी सुरंगी लमाई 5 कि मी असी। हें देशे सोभी कियां लमी सुरंग महाराष्ट्रे रत्नगिरी जिले करवुड़े सुरंग असी, जेसे लमाई 6.5 किमी असी। यक होरी सुरंग जे 2.8 किमी लमी असी। से जम्मु कश्मीर अंतर असी। पर तोउं बि रोहतांगे सुरंग लमेई उचेई अन्तर सोभी सुरंगी बच लमी त अलग असी।

लेखक: प्रमोद ठाकुर, कवास स्कुल

आधार कार्ड
सोबी मेहणु के हक

हक की भो? हक यक 12 नमरी के संख्या भो। गभुर समेत सोभी मेहणु के पछाण भो। पता लवांतु ए सोबी मेहणु के निशाणी भो। आधार सोबी मेहणु के विशिष्ट पछाण बणाणे भो। एठि जीवसंख्यिकी या बायोमैट्रिक जाणकारी किठि भुन्ति। एसे बेलि पछाण संख्या दी छांती। भारते सोबी मेहणु के लिये सुआ खास असा त हर जगाई कम एन्ता। आधार राशन कार्ड, पासपोर्ट बणाण अन्तर त बैंकी अन्तर कम एन्ता। आधार बेलि अस केसेरी जात, धर्म, भाषाई बारे न जाण सकते। प्रमोद ठाकुर, कवासे

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर, किलाड़ बजार, किलाड़, त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश।
पिन. 176323

ब्याह बुछ अणबण

यक मशुर कहावत असी कि "ब्याहे जोड़ी स्वर्ग अन्तर बणता, होर धरती अन्तर अस सिर्फ तस मानते"। ब्याह जपल भुन्ता त हें मन अन्तर तीं जोश त जज्वा भुन्ता। अस अपु धाणि या जुएली खुश रखुण जे त तसे होर यक जरूरत पूरी करण जे मझिन कश बिश्ते। ईं लगतु कि जीं हें लखि साथि अन्तर हें कांया घेई गो असु।

पर कुछ मेहने पता या कुछ सालुं पता हें ब्याह अन्तर त हें खुशी अन्तर जीं कोउं खेचरो कइ छते। अस बोकी बोकी पुठ उश्कते, मुँह फुलाई बिश्ते, होर झगड़िन्ते बि। यक जिल्हाणु अपु ब्याहे पेहला साल बारे बोती "अउं सोचतीथ कि ब्याहे पेहला साल सुआ मज्जेदार भुन्ता। मैं त में धाणि खरी दाड़ गड़ती। पर में पेहला साल त जीं यक नर्के थी। बोकी बोकी पुठ उश्कुण, मन मुटाव करण, यकी होरी गलत समझुण त उदास भुण जीं हें मुँह अन्तर बाड़ दुतो थिए।" पर यक मजाकी मेहणु ई बोता, "अउं त में जुएली कदी झगड़िन्ते नउ; बल्कि अस कुछ खास पल यक होरी जुए काटते, जपल अस अपु अणबण, लेहर त नराजगी बारे बोक कते।"

ई कोई ब्याह नेई जेठि अणबण ना भुन्ता, मन मुटाव ना भुन्ति। पर एन्हि जुए अस कीं निपटते, तेस पुठ ईं हें ब्याहे खुशी या गम टिगता। अगर अस इन्हि बोकी पुठ सही पलाटते, त हें ब्याह खुशी जुए चमकती। पर अगर अस गलत पलाटते त हें जिन्देगी अन्तर "ब्याह कर कइ फस गा, यार!" बोलुण सुआ टेम ना लगता।

धाणि जुएली बुछ अणबण त मन मुटाव केहि बझई जोई भोई सकता, जीं रुपेई के खर्चा, कम करणे ढंग, शौराढ़ी बाड़ी के जरूरत, गभुर भुण त पाड़ण, अपु जरुरत त अपु आत्माई हालत। सुआ जेईं ब्याह केआं पेहले एन्हि बोकी के बार बोक विचार ना कते, पर उम्मीद जरूर रखते। पता जपल उम्मीद पूरी ना भुन्ति त मन मुटाव, अणबण भोई घेन्ति। अफसोस ई असु कि तपले असी पता ना लगता कि कीं कइ अपु लखि साथि मनाण। अस अपु मठड़ियारी तारिका जुए अपु लेहर किढ़णे या होरी मनाणे कोशिश कते। पर तेसे बेलि बि कोई फायदा न भुन्ता। पता अस उदास भोई कइ लेहरीण लगते त ग्या बि देन्ते। पर जेस जुए हें सात जन्मे लिए रिश्ता भोई गो असा, तेस ग्या दी कइ खारीखोटि शुणाण, केतु जायज असा, तेस बारे तुस धिक सोचीण दिए। अगर तुसी धाणि जुएली बछ कोई अणबण, गलतफैमी, या नराजगी असी त सुसुर करण जे यकी होरी जुए बोक विचार करे। बुहन दुतो उपदेश मनणे कोशिश करे।

1- अपु गलतफैमी त नराजगी सुआ चेरे तकर मन अन्तर न रखे। तस सबेले सुलझाणे कोशिश करे। अगर गलतफैमी मन अन्तर सुआ रोज रखते त से तुं मन त रिश्ता बगाड़ छता।

2- अपु जीवन साथी जुए बोक करणे टेम, सिदे मुद्दे पुठ बोक करे। होर खुल कइ बोक करे। तेस बताण दिए कि तुस की ठीक लगता, होर की नेईं। की करणे बेलि तुसी कष्ट लगता, तेस बारे खुल कइ बोलिण दिए।

3- याद रखे कि तुं मकसद समस्याई हल असा, ना कि महाभारत खड़ करणे। त बोक कते टेम समस्या बारे बोक करे त तेस दूर करणे बारे ध्यान दिए। अपु जुएली या धाणि दोष किढ़णे बेलि समस्याई हल ना भोई सकतु। त कदी तेन्के कमीपेशी ना गिणाण।

4- अपु मने हालात बोलिण दिए। तेन्हि नियोकाइ कइ कोई फायदा नेईं। अगर तुस खुश नेई त खुल कइ बोले। पर ध्यान रखे कि तुस सिर्फ अपु साथी जे बि बोलणे बराबर मौका दिए।

5- यक यक बोकी पुठ ईं बोक करे। सुआ चीजे बारे यक साथ बोक करणे बेलि तुं ध्यान यक होरी गलती किढ़णे पुठ घेन्ता, ना कि समस्याई हल पुठ।

ब्याह बुछ अणबण...

6- अकेले अन्तर बोक करे। सोबी के सामणी बोक करणे बेलि तुं ध्यान गड़ि घेन्ता त होरी के सामणी तुं बेज्जती बि भुन्ति।

7- ईं नेई कि बोक करणे पता तुं गलतफैमी दूर भोई घेन्ति या तुं अणबण मुक घेन्ति। तीं भुण जे तुसी कोशिश करणे एन्ती। त तेस लिए तुसी योजना बणाण जरूरी असी।

8- बोक कते-कुते अगर तुसी लगतु कि तुं गलती भो, त तस अपु जीवन साथी अगर मनीण दिए। अपु रोभ बझई जुए मुकरे नउ, किस कि गन्दि मुश्क कदी ना मुकती।

9- याद रखे कि अपु साथी जुए सुसुर रिश्ता रखण, बहेस जीतुण केआं खरु असु। त तुं बोक करणे मकसद “कोउं सही असा?” साबित करण नेई, बल्कि “कीं कइ अस अपु ब्याहे खुशी सम्हाड़ी रखते?” से असु।

ई बोलणे जरुरत नेई कि जपल तुस दुहि के रिश्ता पक्का भुन्ता, तपल यक अब्बल त ट्यारा टब्बर बणता।

लेखक: षम्मा सिंह, स्रोत: फॉक्स ओन दा फैमिली

में ट्यारा भाई

में भाई मठुड़ असा
बोके कता से तोते ईं
भाई में राजा भो
खांता मठा खंजै से।

में भाई न्यारा असा
मठुड़ ईं यक तारा भो
में भाई उंघो असा
से त राजे ईं कुआ असा।

भाई में हसता
कत अब्बल लगता से
भाई में घीत लांता
शिह्नि सुआ देन्ता से

में भाई उंघो असा
झणापे तेस घेण लगो असे
में भाई सुना भो
सोबी तीं खिलांता से

लेखिका: अक्षिता, कक्षा: पांचवी, रोल नं- पांच, स्कूल: कवास

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ू जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिकल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकुले

मास्टर : आज तोउ चेरे किस भु?
गभुर : बथ यक साईन बोर्ड पुठ लिखो थिउ।
मास्टर : साईन बोर्डे बेलिए चेरे एणे की मतलब?
गभुर : तेस पुठ लिखो थिउ “अगर सकुल असा, मठे हंटे”।

हनी त सन्नी दुई कुआ बोकी लगो थिए
हनी: आज अउं स्कूल उंघ गा।........
सन्नी: यार तुं सकूले मास्टर कत अब्बल असे, जे सकुल उंघण दी छते।

लेखिका: कृति, कक्षा: पांचवी, रोल नं: 1